न्यूज़ टुडे

प्रधान मंत्री ने 'प्रधान मंत्री विकसित भारत रोजगार योजना' की घोषणा की

यह योजना **श्रम एवं रोजगार मंत्रालय** के अंतर्गत शुरू की गई है। इस योजना का लक्ष्य **दो वर्षों में 3.5 करोड़ से अधिक रोजगार सृजन** को समर्थन प्रदान करना है।

इस योजना के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर

इस योजना के दो प्रमुख भाग हैं –

- **भाग A- पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों को सहायता:** यह **कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO)** के साथ पंजीकृत पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों के लिए है।
  - **प्रोत्साहन:** एक महीने के EPF वेतन को ध्यान में रखते हुए नवनियोजित युवाओं को **दो किस्तों में 15,000 रुपये** तक का प्रोत्साहन।
    - **पहली किस्त 6 महीने तक की नौकरी के बाद और दूसरी किस्त 12 महीने की नौकरी और कर्मचारी द्वारा वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम पूरा करने** के बाद दी जाएगी।
  - **पात्र कर्मचारी: 1 लाख रुपये प्रति माह तक वेतन** वाले कर्मचारी।
  - **बचत को प्रोत्साहित करना:** प्रोत्साहन राशि का एक हिस्सा एक निश्चित अवधि के लिए **जमा खाते की बचत** के रूप में रखा जाएगा।
  - **भुगतान:** यह **आधार ब्रिज पेमेंट सिस्टम (ABPS)** का उपयोग करते हुए **DBT (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण)** के माध्यम से किया जाएगा।
- **भाग B- नियोक्ताओं के लिए प्रोत्साहन:**
  - **पात्रता:** नियोक्ताओं को **1 लाख रुपये तक के वेतन वाले नए कर्मचारियों** के संबंध में प्रोत्साहन मिलेगा।
  - **प्रोत्साहन:** सरकार **कम-से-कम 6 महीने** तक जारी रहने वाले प्रत्येक **अतिरिक्त नियोजन के लिए नियोक्ताओं को दो साल तक प्रतिमाह 3000 रुपये तक का प्रोत्साहन** प्रदान करेगी।
    - **विनिर्माण क्षेत्रक** के लिए प्रोत्साहन **तीसरे और चौथे वर्ष** तक भी बढ़ाया जाएगा।
- **प्रोत्साहन तंत्र: प्रोत्साहन राशि** सीधे पैन-लिंक्ड खातों में भेजी जाएगी।

दो भारतीय एक्वानॉट्स ने अटलांटिक महासागर में अत्यधिक गहराई में गोता लगाकर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की

दो भारतीय एक्वानॉट्स ने **अटलांटिक महासागर में 4,025 और 5,002 मीटर की ऐतिहासिक गहराई तक गोता लगाकर** एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस उपलब्धि के साथ, भारत गहरे समुद्र का अन्वेषण करने में सक्षम कुछ ही देशों की श्रेणी में आ गया है।

- यह गोता **फ्रांस के समुद्री अनुसंधान संस्थान IFREMER** के सहयोग से **फ्रांसीसी सबमर्सिबल 'नौटाइल'** से लगाया गया था। इस मिशन का नेतृत्व **चेन्नई स्थित राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान (NIOT)** की एक टीम ने किया था।
- यह ऐतिहासिक गोता भारत के **समुद्रयान मिशन** की एक प्रकार से तैयारी है, जो **डीप ओशन मिशन** का एक हिस्सा है।
  - **'समुद्रयान मिशन' 2027** में लॉन्च होगा। इसका लक्ष्य स्वदेशी रूप से विकसित **सबमर्सिबल 'मत्स्य-6000' (MATSYA-6000) में तीन एक्वानॉट्स को 6,000 मीटर** की गहराई तक भेजना है।
    - **मत्स्य-6000** अपनी तरह का पहला, **चौथी पीढ़ी** का वैज्ञानिक सबमर्सिबल होगा, जो **समुद्र के भीतर सामान्य स्थिति में 12 घंटे और आपातकालीन स्थिति में 96 घंटे** तक रह सकता है।

डीप ओशन मिशन के बारे में

- **शुरुआत: 2021** में **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय** द्वारा एक **मिशन-मोड प्रोजेक्ट** के रूप में।
- **उद्देश्य:** इस मिशन का उद्देश्य महासागर के संसाधनों की खोज और उनके संधारणीय उपयोग के लिए **डीप ओशन प्रौद्योगिकियों** का विकास करना है। इन प्रौद्योगिकियों से भारत की ब्लू इकोनॉमी को बढ़ावा मिलेगा तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों व प्रदूषण से निपटा जा सकेगा।
- **बजट और समय-सीमा: 4077 करोड़ रुपये** का अनुमानित बजट। यह मिशन **5 साल (2021-2026)** तक जारी रहेगा।

इसके अलावा, प्रधान मंत्री ने हाल ही में **समुद्र में तेल और गैस के भंडारों** का पता लगाने के लिए **राष्ट्रीय डीपवाटर अन्वेषण मिशन (National Deepwater Exploration Mission)** की भी घोषणा की है।

डीप ओशन मिशन
महासागर अन्वेषण के छह प्रमुख घटक

गहरे समुद्र में खनन और मानवयुक्त सबमर्सिबल
- मानवयुक्त सबमर्सिबल का विकास करना।
- ब्लू इकोनॉमी: गहरे समुद्र के संसाधनों का उपयोग करना।

महासागरीय जलवायु परिवर्तन पर सलाहकारी सेवाएं
- जलवायु परिवर्तनशीलताओं का भावी अनुमान।
- मौसम से लेकर दशकों तक की समय-अवधियों के लिए जलवायु से जुड़े कारकों का अनुमान लगाना।
- ब्लू इकोनॉमी: तटीय पर्यटन को बढ़ावा देना।

गहरे समुद्र की जैव विविधता का अन्वेषण और संरक्षण
- सूक्ष्मजीवों और समुद्री संसाधनों का अध्ययन।
- ब्लू इकोनॉमी: समुद्री मात्स्यिकी को बढ़ावा देना।

गहरे समुद्र का सर्वेक्षण और खोज
- संभावित स्थलों का अन्वेषण।
- महासागर संसाधन आकलन।

महासागर से ऊर्जा और स्वच्छ जल
- ऑफशोर ओशन थर्मल एनर्जी कन्वर्जन (OTEC)।
- OTEC-संचालित विलवणीकरण संयंत्र।

महासागरीय जीव विज्ञान के लिए अत्याधुनिक मरीन स्टेशन
- अनुसंधान को औद्योगिक उपयोग में लाना।
- ऑन-साइट व्यापार इनक्यूबेटर सुविधाएं।

प्रधान मंत्री ने अवैध प्रवासन से निपटने के लिए "हाई-पॉवर्ड डेमोग्राफी मिशन" की घोषणा की

इस मिशन का उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियों का समाधान करना है, ताकि विशेषकर सीमावर्ती क्षेत्रों में **भारत के नागरिकों के अधिकारों, एकता और अखंडता** की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

अवैध प्रवासन के बहुआयामी प्रभाव

सामाजिक-आर्थिक और जनसांख्यिकीय प्रभाव	राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी चुनौतियां
जनसांख्यिकीय बदलाव: इससे असम, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों में स्थानीय असंतोष उत्पन्न हो रहा है।	**आतंकवाद से संबंध:** चरमपंथी समूहों द्वारा कमजोर प्रवासी समुदायों का शोषण करके उन्हें अपने समूह में भर्ती करने और कट्टरपंथी बनाने का जोखिम होता है।
सार्वजनिक सेवाओं पर दबाव: इससे स्वास्थ्य देखभाल सेवा, शिक्षा, आवास और स्वच्छता तथा **कल्याणकारी योजनाओं पर अत्यधिक बोझ पड़ता है।**	**सीमा सुरक्षा:** सीमाओं का उपयोग वस्तुओं एवं मानव तस्करी आदि के लिए किया जाता है।
श्रम बाजार में गड़बड़ी: अवैध प्रवासी कम मजदूरी पर काम करते हैं, जिससे स्थानीय श्रमिकों की आर्थिक स्थिति प्रभावित होती है और मजदूरी संरचना पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।	**सांप्रदायिक तनाव:** अवैध प्रवासियों की उपस्थिति से नृजातीय/धार्मिक तनाव उत्पन्न होता है, जो कभी-कभी राजनीतिक लामबंदी और गलत सूचना के कारण और भी बढ़ जाता है।
भूमि अतिक्रमण: अवैध निवासी कृषि और वन भूमि पर अतिक्रमण करते हैं, जिससे संघर्ष व सामाजिक अशांति फैलती है।	**राजनीतिक शोषण: अवैध प्रवासियों से संबंधित चुनावी** उद्देश्यों के चलते प्रभावी नीति बनाने में बाधा उत्पन्न हो सकती है।

उठाए जाने वाले कदम

- **सीमा प्रबंधन को मजबूत करना:** सीमा पर बाड़ को आधुनिक बनाना; ड्रोन, सेंसर और AI का उपयोग करके सीमा की स्मार्ट निगरानी करना, आदि।
- **राष्ट्रीय शरणार्थी कानून बनाना:** इसके तहत शरणार्थियों और अवैध प्रवासियों के बीच अंतर को स्पष्ट किया जाना चाहिए।
- **बायोमेट्रिक रिकॉर्ड बनाए रखना:** सभी अवैध प्रवासियों और शरणार्थियों का रिकॉर्ड रखना चाहिए, ताकि पहचान में धोखाधड़ी रोकी जा सके।
- **भारतीय नागरिकों को राष्ट्रीय पहचान-पत्र (NID) जारी करना:** NID/ भारतीय नागरिकों के राष्ट्रीय रजिस्टर (NRC) के कार्यान्वयन में तेजी लानी चाहिए।
- **कानूनी एवं कूटनीतिक उपाय:** सार्क/ बिम्सटेक जैसे मंचों का उपयोग करके बांग्लादेश और म्यांमार के साथ द्विपक्षीय **प्रत्यावर्तन (Repatriation)** समझौतों पर वार्ता करनी चाहिए।
  - **प्रत्यावर्तन** का अर्थ है किसी व्यक्ति को उसके मूल देश में वापस भेजना।
- **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग:** प्रत्यावर्तन सहित अवैध प्रवासन के प्रबंधन में सहायता के लिए शरणार्थियों के लिए **संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त (UNHCR)/ अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (IOM)** के साथ सहयोग करना चाहिए।

स्टैंडर्ड एंड पूअर्स (S&P) ग्लोबल रेटिंग्स ने भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग को 'BBB-' से बढ़ाकर 'BBB' किया

S&P ने भारत की **लंबी अवधि** की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग को **'BBB-' से 'BBB'** और **छोटी अवधि** की रेटिंग को **'A-3' से 'A-2'** कर दिया है, जिसमें **आउटलुक स्थिर (Stable)** है।

- यह **2007** के बाद, भारत के लिए S&P द्वारा पहला सॉवरेन अपग्रेड है। 2007 में, भारत को **BBB- के इन्वेस्टमेंट-ग्रेड** में अपग्रेड किया गया था।
- यह अपग्रेड भारत की अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के प्रति प्रतिबद्धता; सार्वजनिक व्यय की बेहतर गुणवत्ता और मजबूत कॉर्पोरेट, वित्तीय और बाहरी बैलेंस शीट को दर्शाता है।

सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग (SCR) के बारे में

- **यह क्या है:** यह दरअसल **किसी देश या संप्रभु संस्था के ऋण और उस पर ब्याज चुकाने के दायित्व को समय पर पूरा** करने का आकलन है। इसमें संबंधित **देश या संस्था की ऋण चुकाने की क्षमता और इच्छाशक्ति,** दोनों को महत्त्व दिया जाता है।
- **प्रमुख SCR एजेंसियां:** S&P, Fitch और Moody's
- **रेटिंग ग्रेड:** SCR में मोटे तौर पर देशों को **इन्वेस्टमेंट-ग्रेड** या **स्पेक्युलेटिव-ग्रेड** में रेट किया जाता है। **स्पेक्युलेटिव-ग्रेड** वाले देशों पर **कर्ज चुकाने में चूक (Default)** का जोखिम ज़्यादा होता है।
  - **इन्वेस्टमेंट-ग्रेड रेटिंग:** S&P और Fitch के लिए यह **BBB- से AAA** तक होती है, जबकि Moody's के लिए यह **Baa3 से Aaa** तक होती है।
- **महत्त्व:** उच्च रेटिंग से वैश्विक **पूंजी बाजारों से उधार लेने में मदद** मिलती है, उच्च रेटिंग से **विदेशी निवेश आकर्षित** होता है, और **कर्ज लेने की लागत कम** होती है।
- **मुद्दे:** रेटिंग प्रक्रियाओं में **पक्षपात,** हितों का टकराव और **रेटिंग सीलिंग** को लेकर चिंताएं हैं।
  - **रेटिंग सीलिंग:** यह इस विचार से संबंधित है कि किसी **कॉर्पोरेट संस्था को उस देश की तुलना में उच्चतर रेटिंग नहीं दी जाती जिसमें वह स्थित** है। इससे उस देश के घरेलू बाजार के विकास में बाधा आ सकती है।

प्रधान मंत्री ने वस्तु एवं सेवा कर (GST) में अगली पीढ़ी के सुधारों को रेखांकित किया

प्रधान मंत्री ने स्वतंत्रता दिवस 2025 के अपने संबोधन में **GST में सुधार को लेकर कई अहम घोषणाएं** कीं।

- ये सुधार **संरचनात्मक सुधारों; GST दरों एवं स्लैब्स को कम करने तथा लोगों की परेशानियों को दूर** करने से संबंधित हैं।
- इन सुधारों पर विचार करने के लिए एक प्रस्ताव **जीएसटी परिषद द्वारा गठित मंत्रियों के समूह (GoM)** को भेजा गया है।

प्रस्तावित मुख्य सुधार

- **संरचनात्मक सुधार:**
  - **इनवर्टेड ड्यूटी प्रणाली में सुधार:** इनका उद्देश्य **इनपुट–आउटपुट कर दरों में सामंजस्य** सुनिश्चित करना है, ताकि इनपुट टैक्स क्रेडिट के जमा होते रहने की समस्या को दूर किया जा सके और वैल्यू एडिशन को बढ़ावा मिल सके।
    - इनवर्टेड ड्यूटी **कराधान प्रणाली का एक प्रकार** है। इसमें **किसी कच्चे माल (इनपुट) के आयात पर तुलनात्मक रूप से अधिक कर लगाया जाता है, जबकि उस कच्चे माल से तैयार उत्पादों (फिनिश्ड गुड्स) पर कम कर** लगाया जाता है। यह तब भी देखा जाता है, जब कच्चे माल पर कर लगाया जाता है, लेकिन अंतिम उत्पाद कर-मुक्त होता है।
      - **उदाहरण के लिए:** टायर (तैयार माल) के आयात पर 10% शुल्क लगाना, वहीं प्राकृतिक रबड़ (टायर बनाने के लिए कच्चा माल) के आयात पर 20% शुल्क लगाना।
  - **वर्गीकरण संबंधी मुद्दों का समाधान करना:** इसका उद्देश्य GST दरों को व्यवस्थित करना; विवादों को कम करना; नियमों के अनुपालन को सरल बनाना और समानता सुनिश्चित करना है।
  - **स्थिरता और अपेक्षा के अनुरूप:** इसका उद्देश्य GST प्रणाली पर उद्योग जगत के विश्वास को मजबूत करने के लिए दरों एवं नीतिगत उपायों पर दीर्घकालिक स्पष्टता प्रदान करना है।
- **GST दरों और स्लैब को कम करना:**
  - आम आदमी के उपभोग की वस्तुओं और एस्पिरेशनल गुड्स पर **करों में कमी** की जाएगी।
  - **GST स्लैब की संख्या में कमी:** इसका उद्देश्य मूल रूप से GST कर की दरों को **दो स्लैब्स (स्टैण्डर्ड और मेरिट)** तक सीमित रखते हुए इसे सरल बनाना है। **विशेष दरें** केवल चुनिंदा वस्तुओं पर लगाई जाएंगी।
  - **प्रतिपूर्ति उपकर (Compensation Cess)** की समाप्ति से उत्पन्न चुनौतियों के समाधान के लिए वित्तीय संसाधनों का उपयोग किया जा सकता है। इससे लंबे समय तक GST की सफलता सुनिश्चित की जा सकती है।
- **परेशानियों को दूर करना:**
  - **इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:**
    - तकनीक-आधारित **बिना बाधा के पंजीकरण;**
    - पहले से भरे हुए **रिटर्न** (मैनुअल आवेदन को कम करना और विसंगतियों को समाप्त करना); तथा
    - निर्यातकों के लिए **तेजी से व स्वचालित रिफंड प्रोसेसिंग।**

वस्तु एवं सेवा कर (GST) के बारे में

- यह भारत में **वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति** पर लगाया जाने वाला एक **व्यापक अप्रत्यक्ष कर** है।
- इसे **2017 में 101वें संविधान संशोधन अधिनियम** द्वारा लागू किया गया था।
- **मुख्य विशेषताएं:**
  - **एक राष्ट्र, एक कर:** इसने उत्पाद शुल्क, सेवा कर जैसे विविध केंद्रीय व राज्य अप्रत्यक्ष करों को अपने में समाहित कर लिया।
  - **द्वि-स्तरीय संरचना:** इसमें **केंद्रीय जीएसटी (CGST) और राज्य जीएसटी (SGST)** शामिल हैं।
    - इसके अतिरिक्त, अंतर्राज्यीय आपूर्ति और आयात पर **एकीकृत जीएसटी (ICGST)** भी लगाया जाता है। इसे केंद्र सरकार द्वारा एकत्र किया जाता है, लेकिन गंतव्य राज्य को आवंटित कर दिया जाता है।
  - **गवर्नेंस: जीएसटी परिषद** वस्तु एवं सेवा कर पर निर्णय लेने वाली प्रमुख संस्था है।

अन्य सुर्खियां

नगर निगम

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से कहा कि वह **न्यू ओखला इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (NOIDA)** को एक **मेट्रोपोलिटन कॉर्पोरेशन में बदलने** पर विचार करें, ताकि **जन केंद्रित शासन** सुनिश्चित किया जा सके।

- दिल्ली-NCR में स्थित नोएडा में **कोई निर्वाचित स्थानीय सरकार नहीं** है। यह **उत्तर प्रदेश औद्योगिक क्षेत्र विकास अधिनियम, 1976** के तहत गठित न्यू ओखला इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (नोएडा) द्वारा शासित होता है।

नगर निगम

- **इसे बड़े शहरों के प्रशासन** के लिए बनाया जाता है और **संबंधित राज्य विधायिकाओं द्वारा स्थापित किया जाता है।**
- नगर निगम के **तीन मुख्य प्राधिकरण होते हैं** - परिषद (विधायी शाखा), स्थायी समितियां (परिषद के कामकाज को सुविधाजनक बनाती हैं) और आयुक्त (मुख्य कार्यकारी प्राधिकारी)।

ग्लोबल आउटलुक काउंसिल ऑन वाटर इंवेस्टमेंट्स

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति ने **'ग्लोबल आउटलुक काउंसिल ऑन वाटर इन्वेस्टमेंट्स (GOCWI)'** के लॉन्च की घोषणा की।

GOCWI के बारे में

- **इसे G20 प्रेसिडेंशियल लेगसी इनिशिएटिव** के रूप में लॉन्च किया गया। यह **ग्लोबल वाटर पार्टनरशिप (GWP)** के **ग्लोबल ट्रांसफॉर्मेशन एजेंडा** का एक प्रमुख स्तंभ है।
  - GWP एक बहु-हितधारक कार्रवाई नेटवर्क और अंतर-सरकारी संगठन है। यह **जल संसाधनों के न्यायसंगत, संधारणीय और कुशल प्रबंधन** के लिए कार्य करती है।
  - GWP के **ट्रांसफॉर्मेशन एजेंडे का लक्ष्य** वर्ष 2030 तक **जल सुरक्षा के लिए 15 बिलियन डॉलर** जुटाना है ।
- यह विश्व भर में, जल सुरक्षा में निवेश के लिए राजनीतिक समर्थन और वित्तपोषण प्राप्त करने के लिए एक **उच्च स्तरीय फोरम के रूप में** कार्य करेगा।

परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (PCA)

भारत ने सिंधु जल संधि की सामान्य व्याख्या के मुद्दे पर **परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (PCA)** के **फैसले को खारिज** कर दिया।

परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (PCA) के बारे में

- यह **संधि-आधारित अंतर-सरकारी संगठन** है। यह **विवाचन (Arbitration)** और अन्य तरीकों के माध्यम से देशों के बीच विवाद निपटान को सुगम बनाता है।
- **स्थापना:** इसकी स्थापना **1899 में प्रथम हेग शांति अभिसमय** के दौरान **अंतर्राष्ट्रीय विवादों के शांतिपूर्ण निपटान के लिए कन्वेंशन** के तहत की गई थी ।
- **पक्षकार:** भारत सहित 125 सदस्य।
- **मुख्यालय:** पीस पैलेस (नीदरलैंड के द हेग में)।

डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स

डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स/मेडिसिन सैन्स फ्रंटियर्स (MSF) **इराक में आवश्यक देखभाल सेवा प्रदान करके वहां स्वास्थ्य देखभाल व्यवस्था में मौजूद व्यापक कमियों को दूर** कर रहा है।

डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के बारे में

- यह एक **अंतरराष्ट्रीय और स्वतंत्र चिकित्सा मानवीय संगठन** है। इसकी स्थापना **1971 में फ्रांस** में की गई थी। वास्तव में, इसकी स्थापना **नाइजीरिया के बियाफ्रा क्षेत्र में युद्ध और अकाल की पृष्ठभूमि** में हुई थी।
- इसका मुख्य ध्यान **त्वरित, प्रभावी और निष्पक्ष रूप से आपातकालीन चिकित्सा मानवीय सहायता** प्रदान करने पर है।
- कई महाद्वीपों पर किए गए अग्रणी मानवीय कार्य के लिए इसे **1999 का नोबेल शांति पुरस्कार** प्रदान किया गया।

सुदर्शन चक्र मिशन

प्रधान-मंत्री ने स्वतंत्रता दिवस 2025 के अपने संबोधन में '**सुदर्शन चक्र मिशन**' की घोषणा की है। इस मिशन का उद्देश्य **वर्ष 2035 तक देश के अति-महत्वपूर्ण असैन्य और रक्षा अवसंरचनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना** है।

सुदर्शन चक्र मिशन के बारे में

- यह भारत की अति-महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए व्यापक **राष्ट्रीय सुरक्षा पहल** है।
- **इसके तहत अति-महत्वपूर्ण राष्ट्रीय स्थलों को** अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और शक्तिशाली हथियार प्रणालियों से लैस करके सुरक्षित बनाया जाएगा।
- इस मिशन का **उद्देश्य न केवल दुश्मन के हमलों को बेअसर करना है, बल्कि सुदर्शन चक्र** की तरह प्रभावी और सटीक जवाबी हमले करना भी है।
- इसे **त्वरित, सटीक और शक्तिशाली रक्षा जवाबी हमले** के लिए डिज़ाइन किया जाएगा जिससे **भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और अधिक मजबूत** होगी।

अलास्का (संयुक्त राज्य अमेरिका)

संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस के राष्ट्रपति रूस-यूक्रेन के बीच **युद्ध-विराम** की संभावनाओं पर विचार करने के लिए **अलास्का में बैठक** की।

अलास्का के बारे में

- अलास्का **संयुक्त राज्य अमेरिका** का **भौगोलिक रूप से असंबद्ध (Non-Contiguous) राज्य** है। यह **उत्तरी अमेरिका महाद्वीप के उत्तर-पश्चिमी सिरे पर** अवस्थित है ।
- **अलास्का संधि 1867** के तहत इसे **संयुक्त राज्य अमेरिका ने रूस से खरीदा** था।
- **समुद्री सीमाएं:** इसके उत्तर में **ब्यूफोर्ट सागर** और **आर्कटिक महासागर**, दक्षिण में **अलास्का की खाड़ी** और **प्रशांत महासागर**, पश्चिम में **बेरिंग सागर**, उत्तर-पश्चिम में **चुकची सागर** हैं।
- **नॉर्दर्न लाइट्स या ऑरोरा बोरेलिस** अलास्का के अधिकांश हिस्सों से दिखाई देती हैं।
- लगभग एक-तिहाई अलास्का राज्य **आर्कटिक सर्कल के भीतर** स्थित है और लगभग **85% अलास्का परमाफ्रॉस्ट से ढका** हुआ है।

मक्का

एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत में **मक्का की खेती का विस्तार** हुआ है, जिसका प्रमुख कारण **एथेनॉल की बढ़ती माँग** है।

मक्का फसल के बारे में:

- यह **खरीफ फसल** है। इसकी खेती के लिए 21°C से 27°C के बीच का तापमान चाहिए। यह **पुरानी जलोढ़ मृदा में अच्छी तरह से उगती** है।
- बिहार जैसे राज्यों में **मक्का रबी सीजन में** भी उगाया जाता है।
- इसे **खाद्य फसल और पशु-चारा,** दोनों के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- **मक्का उत्पादक प्रमुख राज्य: कर्नाटक सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है।** इसके बाद मध्य प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु, तेलंगाना, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश का स्थान है।
- **भारत से निर्यात (2023-24):** मुख्य रूप से वियतनाम, नेपाल, बांग्लादेश, मलेशिया और थाईलैंड को।

श्रीलंका-भारत नौसेना अभ्यास-25 (SLINEX-25)

भारतीय नौसेना के जहाज **आईएनएस राणा** और **आईएनएस ज्योति कोलंबो** में "**श्रीलंका-भारत नौसेना अभ्यास**" (SLINEX-25) के **12वें संस्करण** में भाग लेंगे।

- आईएनएस राणा निर्देशित **मिसाइल विध्वंसक** है जबकि आईएनएस ज्योति **फ्लीट टैंकर** है।

SLINEX-25 के बारे में:

- यह **भारत और श्रीलंका के बीच द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास** है। इसकी **शुरुआत 2005 में** हुई थी।
- **उद्देश्य:** दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच संचालन में समन्वय सुनिश्चित करना, समुद्री सहयोग को बढ़ाना और सर्वोत्तम कार्य-प्रणालियों का आदान-प्रदान करना।
- **महत्व:** यह अभ्यास भारत की '**नेबरहुड फर्स्ट**' और '**क्षेत्र में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति (महासागर/MAHASAGAR)**' के सिद्धांत के अनुरूप है।

सुर्ख़ियों में रहे स्थल

टोंगा (राजधानी: नुकु'लोफ़ा)

टोंगा में **7.1 तीव्रता के भूकंप के झटके** महसूस किए गए।

भौगोलिक अवस्थिति

- यह **दक्षिण-पश्चिमी प्रशांत महासागर** में अवस्थित है।
- यह **भूमध्यरेखा के दक्षिण** में तथा **मकर रेखा से थोड़ा ऊपर** स्थित है।
- **द्वीप समूह:** इसके 3 **मुख्य द्वीप समूह** हैं; टोंगाटापु, हा'आपाई और वावा'उ।
- टोंगा **राष्ट्रमंडल** और **संयुक्त राष्ट्र** का सदस्य है ।

भौगोलिक विशेषताएं

- **सबसे ऊंची चोटी:** हा'आपाई द्वीप समूह में **काओ द्वीप**।
- **जलवायु: उष्णकटिबंधीय** (व्यापारिक पवनों द्वारा नियंत्रित) दक्षिण प्रशांत अभिसरण क्षेत्र (SPCZ) का प्रभाव, अल-नीनो दक्षिणी दोलन (ENSO) का प्रभाव।
- टोंगा में कोई **नदी नहीं बहती** है।